श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : महोदया, मैं माननीय सदस्या से स्वयं को संबद्ध करती हूँ। बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर समस्या होती जा रही है। काम का अधिकार नागरिक का मूलभूत अधिकार है, कम से कम इसकी व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए।

Demand for withdrawal of Excise Duty on grey fabrics

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं आदरणीय वित्त मंत्री जी का ध्यान पावरलूम इंडस्ट्री की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जो ग्रे-फैब्रिक्स पर एक्साइज़ ड्यूटी लगने के कारण तबाही के कगार पर पहुंच गई है। यह उद्योग देश में लगभग 3 करोड़ लोगों को रोज़गार उपलब्ध कराता है। भारतीय निर्यात उद्योग में इसका योगदान 33 प्रतिशत है जिसका 96 प्रतिशत पावरलूम से संबंधित है। एक्साइज़ ड्यूटी लगने के कारण भिवन्डी, मालेगांव, मऊ, नागपुर के हज़ारों छोटे-छोटे पावरलूम बंद हो गए हैं। लाखों गरीब लोग जो इस उद्योग से अपना और अपने बच्चों का पेट पाल रहे थे, भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। पावरलूम दो प्रकार के होते हैं। एक सदियों पुराने छोटे पावरलूम जो मात्र 20,000 रुपए से शुरू हो जाते हैं और जिनसे लाखों गरीब परिवार पलते हैं। दूसरे बड़े पावरलूम होते हैं जो नई तकनीक पर चलते हैं। ये दो-दो मिलियन रुपए की लागत से कायम किए जाते हैं। सरकार ने एक्साइज़ ड्यूटी लगाकर मानो शेर और बकरी को एक ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। इस अत्याचारी एक्साइज़ ड्यूटी से परेशान पावरलूम से जुड़े लोगों ने 29 मार्च से कारखाने और पावरलूम बंद कर दिए हैं जिससे सरकार को भारी आर्थिक क्षति हो रही है। एक तरफ तो सरकार जनता को नौकरी नहीं दे सकती और दूसरी तरफ जनता को छोटे-छोटे कारोबार पर अन्यायिक रूप से ड्यूटी लगाकर परेशान करती है। ऐसा अन्याय क्यों हो रहा है? मैं सरकार से सबल अनुरोध करता हूँ कि वह इस ड्यूटी पर पुनर्विचार करे और सदन को तुरंत अवगत कराने का कष्ट करे।

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : महोदया, मैं इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करती हूँ।

SHRI S.S. CHANDRAN (Tamil Nadu): Madam, I associate myself with the Special Mention made by Shri Abu Asim.

SHRI EKANATH K. THAKUR (Maharashtra): Madam, I also associate myself with the Special Mention made by Shri Abu Asim.

SHRI N. JOTHI (Tamil Nadu) : Madam, I also associate myself with the Special Mention made by Shri Abu Asim. ...*(Interruptions)*... It is a very serious problem. ...*(Interruptions)*... I don't know why the Government is not paying any heed to it. ...*(Interruptions)*... The entire industry in Tamil Nadu is now forced to close for 15 days. ...*(Inte tions)*... This is the situation at the all-India level. Somebody has to p .tention to this matter.

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : मैडम, मैं इसके साथ एसोसिएट करती हूँ।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : मैडम, यह बहुत गंभीर मामला है।

उपसभापति : मुझे लगता है कि आज हाउस में जो भी स्पेशल मेंशन उठाए गए हैं, सारे ही बड़े गंभीर मामले हैं। Now, I call Shri S. Viduthalai Virumbi. यह भी बड़ा गंभीर मामला है।

Decision to demolish the ancient building of Queen Mary's College for women at Chennai

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Madam, Deputy Chairman, in Chennai, the capital of Tamil Nadu, a women's college called, Queen Mary's College, is in existence for more than one and a half century ...*(Interruptions)*...

SHRI P.G. NARAYANAN (Tamil Nadu) : Madam, I am on a point of order. ...*(Interruptions)*... Madam, this issue is pending in the court. ...*(Interruptions)*... This issue is pending in the court. ...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No; no. ...*(Interruptions)*... Wait a minute. ...*(Interruptions)*... There is no need for everybody to speak together. ...*(Interruptions)*... Let their leader say what he wants to say. ...*(Interruptions)*... Just a minute. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: It is in existence for more than one and a half century...*(Interruptions)*... It has become a symbol of women's education in South India. It exhibits...*(Interruptions)*...

SHRI P.G. NARAYANAN: Madam, it is pending in the court. ...*(Interruptions)*... Madam, this matter is *sub judice*. ...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know that. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: This Women's College has been functioning from this monument ...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one minute, Mr. Virumbi. ...*(Interruptions)*... I will permit you, but just wait for a minute. ...*(Interruptions)*... Let me tell them that Mr. Chairman knows about it; the